पिंकसिटी बन रहा एआइ हब, बदल रही नौकरियों की तस्वीर

एआइ से बदला काम का तरीका...

प्रॉम्प्ट इंजीनियर, आउटपुट एनालिस्ट का बढ़ा रोल

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

जयपुर. राजधानी अब केवल पर्यटन और हस्तशिल्प का केंद्र ही नहीं रही, बल्कि देश के प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) हब के रूप में भी तेजी से उभर रही है। शहर की आइटी और टेक कंपनियों में एआइ एजेंट्स के बढ़ते उपयोग ने काम करने का तरीका बदल दिया है।

मोशन ग्राफिक्स, सॉफ्टवेयर डवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और कस्टमर सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में जो काम पहले पूरी टीम कई दिनों में करती थी, वह अब कुछ घंटों में पूरा हो रहा है। टेक एक्सपर्ट्स का दावा है कि इससे कंपनियों की प्रोडक्टिविटी में बढ़ोतरी हुई है। संचालन लागत में भी कमी आई है।

क्रिएटिव वर्क पर फोकस: इस तकनीकी बदलाव का असर कॉर्पोरेट बजट, युवा प्रोफेशनल्स पर नजर आ रहा है। जिन प्रोजेक्ट्स के लिए पहले 4-5 कर्मचारियों की टीम पर हर महीने 80 हजार से 1 लाख रुपए तक खर्च होते थे, वही काम अब एआइ एजेंट्स की मदद से 20 से 30 हजार रुपए में हो रहा है। इससे युवाओं को उबाऊ और दोहराव वाले कामों से आजादी मिल रही है और वे क्रिएटिव वर्क पर फोकस कर रहे हैं।

डेटा सुरक्षा को लेकर भी नए अवसर

एआइ के आने से बाजार में रोजगार के कई नए रास्ते भी खुले हैं। अब पारंपरिक जॉब्स की जगह 'एआइ प्रॉम्प्ट इंजीनियर' (जो एआइ से सही आउटपुट निकाल सकें) और 'एआइ आउटपुट एनालिस्ट' (जो एआइ के काम की समीक्षा कर उसे मानवीय टच दें) जैसे नए पदों की मांग तेजी से बढ़ी है। साथ ही डेटा सुरक्षा को लेकर भी युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

एआइ के बढ़ते इस्तेमाल के साथ डेटा सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है। कंपनियां सुरक्षित एक्सेस, एन्क्रिप्शन और साइबर सिक्योरिटी पर पहले से ज्यादा निवेश कर रही हैं। इसी वजह से एआइ प्रॉम्प्ट इंजीनियर, एआइ आउटपुट एनालिस्ट और साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स जैसे नए रोल्स की मांग बढ़ रही है। भविष्य में वही प्रोफेशनल्स आगे रहेंगे, जो एआइ के साथ अपनी स्किल्स को अपडेट करेंगे। **-विमल गुप्ता,** सॉफ्टवेयर डवलपर

खुद को अपग्रेड करना जरूरी

एआइ एजेंट्स के उपयोग से कंपनियों का काम करने का तरीका पूरी तरह बदल रहा है। पहले जिन कार्यों में कई दिन और पूरी टीम लगती थी, वे अब कुछ घंटों में पूरे हो रहे हैं। इससे कर्मचारियों का समय बच रहा है। प्रोडक्टिविटी बढ़ी है और प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे हो रहे हैं। युवाओं को बेसिक स्किल्स पर निर्भर रहने के बजाय एआइ टूल्स के साथ काम करने की क्षमता विकसित करनी होगी। साथ ही खुद को अपग्रेड करना होगा। **-हिमांशु चतुर्वेदी,** आइटी एक्सपर्ट